

80 TOP VVI SHORT QUESTIONS ANSWER 2026-27

1. **प्रजनन क्या है?**
प्रजनन वह जैविक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से जीव अपने जैसे नए जीव पैदा करते हैं। यह प्रजाति के अस्तित्व को बनाए रखने, संख्या बढ़ाने और जीवन चक्र को जारी रखने में मदद करता है।
2. **लैंगिक और अलैंगिक प्रजनन में अंतर बताइए।**
लैंगिक प्रजनन में दो युग्मक (पुरुष और स्त्री) शामिल होते हैं और नए जीव में आनुवंशिक विविधता होती है। अलैंगिक प्रजनन में केवल एक माता जीव से नए जीव बनते हैं, जो माता के समान और क्लोन होते हैं।
3. **अलैंगिक प्रजनन के प्रकार क्या हैं?**
अलैंगिक प्रजनन के मुख्य प्रकार हैं: द्विखंडन, कली बनना, विखंडन, स्पोर निर्माण और कायिक प्रजनन। ये सभी तरीके केवल एक माता जीव से नए जीव बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाते हैं।
4. **द्विखंडन क्या है?**
द्विखंडन एक सरल अलैंगिक प्रजनन है, जिसमें माता जीव अपनी कोशिका या शरीर को दो बराबर हिस्सों में बाँटकर दो नए जीव बनाता है। यह प्रायः प्रोकैरियोटिक जीव और कुछ प्रोटोजोआ में पाया जाता है।
5. **कली बनना क्या है?**
कली बनना अलैंगिक प्रजनन का तरीका है, जिसमें माता जीव की दीवार से एक छोटी गांठ या कली विकसित होती है, जो धीरे-धीरे बढ़कर स्वतंत्र नया जीव बन जाती है।
6. **विखंडन किसमें पाया जाता है?**
विखंडन मुख्य रूप से शैवाल और कुछ प्रोटोजोआ में पाया जाता है। इसमें जीव का शरीर कई टुकड़ों में टूट जाता है और हर टुकड़ा नए जीव के रूप में विकसित हो जाता है।
7. **स्पोर क्या हैं?**
स्पोर अलैंगिक प्रजनन में बनने वाले छोटे संरचनात्मक अंग हैं। ये सूखे और कठिन परिस्थितियों में जीव को सुरक्षित रखते हैं और अनुकूल परिस्थितियों में नए जीव के रूप में विकसित हो जाते हैं।
8. **कायिक प्रजनन का उदाहरण क्या है?**
कायिक प्रजनन में पौधों के किसी अंग जैसे जड़, तना या पत्ती से नए पौधे बनते हैं। उदाहरण के लिए, आलू का कंद और गाजर की जड़। यह प्रक्रिया पौधों के लिए सरल और तेज प्रजनन का तरीका है।
9. **लैंगिक प्रजनन के लाभ क्या हैं?**
लैंगिक प्रजनन से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है, जिससे जीव नई परिस्थितियों में अनुकूल हो सकते हैं। यह प्राकृतिक चयन में मदद करता है और प्रजातियों के लम्बे समय तक अस्तित्व को सुनिश्चित करता है।
10. **लैंगिक प्रजनन के मुख्य अंग कौन से हैं?**
लैंगिक प्रजनन के मुख्य अंग पुरुष युग्मक (परागकण) और स्त्री युग्मक (अंडाणु) हैं। ये अंग मिलकर निषेचन करते हैं और नए जीव का निर्माण सुनिश्चित करते हैं।
11. **युग्मक क्या है?**
युग्मक वह विशेष कोशिका है जो लैंगिक प्रजनन में दोनों माता जीवों से मिलती है और नई पीढ़ी के जीव का निर्माण करती है। पुरुष युग्मक और स्त्री युग्मक मिलकर जाइगोट बनाते हैं।
12. **बाह्य निषेचन क्या है?**
बाह्य निषेचन में पुरुष और स्त्री युग्मक शरीर के बाहर मिलते हैं। यह जलजीवों में आम है, जहाँ अंडे और परागकण पानी में रिलीज होते हैं और वहीं निषेचन होता है।
13. **आंतरिक निषेचन क्या है?**
आंतरिक निषेचन में पुरुष युग्मक स्त्री प्रजनन अंग के अंदर अंडाणु से मिलते हैं। यह स्थलीय जीवों में सामान्य है, जिससे भ्रूण सुरक्षित रहता है और सफल प्रजनन होता है।

14. **जरायुज और अंडज प्राणी में अंतर बताइए।**
अंडज प्राणी में भ्रूण अंडे के अंदर विकसित होता है और शरीर के बाहर जन्म लेता है। जरायुज प्राणी में भ्रूण माँ के शरीर में विकसित होता है और जीवन का आरंभ वहीं होता है।
15. **बीज का निर्माण कैसे होता है?**
पौधों में बीज निषेचन के बाद बनता है। पुरुष और स्त्री युग्मक मिलकर जाइगोट बनाते हैं, जो भ्रूण में विकसित होता है। कोषावरण भ्रूण को पोषण देता है और पूरी संरचना बीज बनाती है।
16. **बीजकला क्या है?**
बीजकला स्त्री पुष्प का अंग है, जिसमें अंडाणु स्थित होता है। निषेचन के बाद यह बीज का रूप लेता है और नए पौधे के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाता है।
17. **परागकण का मुख्य कार्य क्या है?**
परागकण का कार्य अंडाणु तक पुरुष युग्मक पहुँचाना और निषेचन में मदद करना है। यह लैंगिक प्रजनन की सफलता के लिए आवश्यक है और बीज बनने में योगदान करता है।
18. **स्व-परागण और क्रॉस-परागण में अंतर बताइए।**
स्व-परागण में परागकण उसी फूल के अंडाणु से मिलता है, जबकि क्रॉस-परागण में परागकण किसी अन्य फूल के अंडाणु से मिलता है। क्रॉस-परागण से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है।
19. **क्रॉस-परागण का लाभ क्या है?**
क्रॉस-परागण से पौधों में आनुवंशिक विविधता बढ़ती है, जिससे नई परिस्थितियों के अनुकूल पौधे विकसित होते हैं। यह प्रजातियों के अस्तित्व और स्थायित्व में मदद करता है।
20. **बीज अंकुरण के लिए आवश्यक क्या हैं?**
बीज अंकुरण के लिए पानी, ऑक्सीजन और उपयुक्त तापमान जरूरी हैं। ये कारक भ्रूण को सक्रिय करते हैं, कोषावरण से पोषण प्राप्त होता है और नया पौधा विकसित होता है।
21. **अंडाणु और परागकण के मिलन से क्या बनता है?**
अंडाणु और परागकण के मिलन से जाइगोट बनता है। जाइगोट नई पीढ़ी की शुरुआत करता है और बीज में भ्रूण के रूप में विकसित होकर नए पौधे का निर्माण करता है।
22. **बीज के मुख्य भाग कौन से होते हैं?**
बीज के मुख्य भाग हैं: भ्रूण, कोषावरण और बीजकोष। भ्रूण नए पौधे का रूप लेता है, कोषावरण भ्रूण को पोषण देता है और बीजकोष बीज को सुरक्षा प्रदान करता है।
23. **कोषावरण का कार्य क्या है?**
कोषावरण बीज में भ्रूण को पोषण देता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा भंडारित होते हैं, जिससे बीज अंकुरण और नए पौधे के विकास में मदद मिलती है।
24. **बीजकोष का कार्य बताइए।**
बीजकोष बीज के भ्रूण और कोषावरण को बाहरी नुकसान और सूखने से बचाता है। यह बीज की संरचना को मजबूत बनाता है और अंकुरण तक सुरक्षित रखता है।
25. **पौधों में अंकुरण क्या है?**
अंकुरण वह प्रक्रिया है जिसमें बीज को उचित जल, ऑक्सीजन और तापमान मिलने पर भ्रूण सक्रिय होकर नया पौधा विकसित करता है। यह जीवन चक्र का अगला महत्वपूर्ण चरण है।
26. **बीज के अंकुरण के लिए किन परिस्थितियों की आवश्यकता होती है?**
बीज अंकुरण के लिए पानी, ऑक्सीजन और उचित तापमान आवश्यक हैं। ये परिस्थितियाँ भ्रूण को सक्रिय करती हैं और कोषावरण से पोषण ग्रहण कर नया पौधा विकसित करता है।
27. **अलैंगिक प्रजनन में आनुवंशिक विविधता क्यों कम होती है?**
अलैंगिक प्रजनन में केवल एक माता जीव शामिल होता है और नए जीव उसी के समान होते हैं। इसलिए इसमें आनुवंशिक विविधता कम होती है और सभी नए जीव माता के क्लोन होते हैं।

28. **लैंगिक प्रजनन में आनुवंशिक विविधता क्यों होती है?**
लैंगिक प्रजनन में दो अलग-अलग युग्मक मिलते हैं। मेयोसिस और युग्मक संयोग के कारण नए जीवों में माता-पिता की विशेषताओं का मिश्रण होता है, जिससे आनुवंशिक विविधता बढ़ती है।
29. **बाह्य निषेचन के उदाहरण बताइए।**
बाह्य निषेचन मुख्य रूप से जलजीवों में होता है। उदाहरण के लिए मछली और मेंढक में अंडे और परागकण पानी में निकलते हैं और वहीं निषेचन होता है।
30. **आंतरिक निषेचन के उदाहरण बताइए।**
आंतरिक निषेचन स्थलीय जीवों में होता है। उदाहरण के लिए मनुष्य, कछुआ और सस्तनधारी जीव। इसमें पुरुष युग्मक महिला प्रजनन अंग में अंडाणु से मिलता है।
31. **अंडज और जरायुज में मुख्य अंतर बताइए।**
अंडज प्राणी में भ्रूण अंडे में विकसित होता है और बाहर जन्म लेता है। जरायुज प्राणी में भ्रूण माँ के शरीर में विकसित होता है और जीवन वहीं आरंभ होता है।
32. **द्विपुंषक और एकपुंषक पौधों में अंतर क्या है?**
द्विपुंषक पौधे में एक ही फूल में पुरुष और स्त्री अंग दोनों होते हैं। एकपुंषक पौधे में अलग-अलग फूलों में पुरुष या स्त्री अंग होते हैं।
33. **स्व-परागण के लाभ बताइए।**
स्व-परागण में युग्मक उसी फूल के अंडाणु से मिलता है। इससे ऊर्जा कम खर्च होती है और फूलों में तेजी से बीज बन सकते हैं, हालांकि आनुवंशिक विविधता कम होती है।
34. **क्रॉस-परागण के लाभ बताइए।**
क्रॉस-परागण से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है। इससे पौधे नई परिस्थितियों में अनुकूल बन सकते हैं और प्रजातियों का अस्तित्व सुरक्षित रहता है।
35. **बीजकला में अंडाणु का स्थान कहाँ होता है?**
बीजकला में अंडाणु अंडाशय में स्थित होता है। निषेचन के बाद अंडाणु भ्रूण में विकसित होता है और बीज का निर्माण करता है।
36. **परागकण का निर्माण कहाँ होता है?**
परागकण पुरुष अंग के परागकोष में बनते हैं। ये छोटे और हल्के होते हैं और हवा, पानी या कीट द्वारा अंडाणु तक पहुँचकर निषेचन में मदद करते हैं।
37. **लैंगिक प्रजनन में भ्रूण किससे विकसित होता है?**
लैंगिक प्रजनन में भ्रूण अंडाणु और परागकण के मिलन से विकसित होता है। यह जाइगोट के रूप में शुरू होता है और धीरे-धीरे बीज में नया पौधा बनता है।
38. **बीज में भ्रूण को कौन पोषण देता है?**
बीज में भ्रूण को मुख्य रूप से कोषावरण पोषण देता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा रहते हैं, जो अंकुरण और विकास के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करते हैं।
39. **अलैंगिक प्रजनन के उदाहरण बताइए।**
अलैंगिक प्रजनन के उदाहरण हैं: हाइड्रा में कली बनना, यीस्ट में कली बनना, शैवाल में विखंडन और कवक में स्पोर निर्माण। यह सभी बिना युग्मक के नए जीव बनाते हैं।
40. **बीजकोष का महत्व क्या है?**
बीजकोष बीज के भ्रूण और कोषावरण को बाहरी नुकसान, सूखने और कीट से बचाता है। यह बीज को सुरक्षित रखता है और अंकुरण तक उसकी संरचना को मजबूत बनाए रखता है।
41. **बीज अंकुरण किस प्रकार से शुरू होता है?**
बीज अंकुरण तब शुरू होता है जब बीज को पर्याप्त पानी, ऑक्सीजन और उचित तापमान मिलता है। पानी बीज में प्रवेश कर भ्रूण सक्रिय करता है और कोषावरण से पोषण ग्रहण कर नए पौधे का विकास करता है।

42. **अंकुरण के चरण क्या हैं?**
अंकुरण के प्रमुख चरण हैं: जल अवशोषण, भ्रूण की सक्रियता, जड़ का विकास और अंकुर का ऊपर निकलना। यह सभी चरण बीज को एक स्वतंत्र पौधे में बदलने के लिए आवश्यक हैं।
43. **पौधों में बीज किस अंग से बनता है?**
पौधों में बीज बीजकला (स्त्री अंग) में बनता है। अंडाणु और परागकण का मिलन जाइगोट बनाता है, जो भ्रूण में विकसित होकर बीज का निर्माण करता है।
44. **बीजकला और परागकोष में अंतर बताइए।**
बीजकला स्त्री अंग है जिसमें अंडाणु होता है। परागकोष पुरुष अंग है, जिसमें परागकण बनते हैं। ये दोनों अंग लैंगिक प्रजनन में निषेचन के लिए आवश्यक हैं।
45. **क्रॉस-परागण और स्व-परागण का उदाहरण बताइए।**
स्व-परागण: गेहूँ और चावल। क्रॉस-परागण: सूरजमुखी और मटर। स्व-परागण में युग्मक उसी फूल से मिलता है, क्रॉस-परागण में दूसरे फूल से।
46. **लैंगिक प्रजनन का महत्व क्या है?**
लैंगिक प्रजनन से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है, जिससे नए जीव पर्यावरणीय परिवर्तनों में अनुकूल बन सकते हैं। यह प्रजाति के विकास और प्राकृतिक चयन में मदद करता है।
47. **अंडज प्राणी के उदाहरण बताइए।**
अंडज प्राणी में भ्रूण अंडे में विकसित होता है। उदाहरण: कछुआ, मेंढक, मछली और पक्षी। अंडे में भ्रूण सुरक्षित रहता है और बाहर जन्म लेता है।
48. **जरायुज प्राणी के उदाहरण बताइए।**
जरायुज प्राणी में भ्रूण माँ के शरीर में विकसित होता है। उदाहरण: मनुष्य, गाय और कुत्ता। यह आंतरिक निषेचन और संरक्षण के लिए अनुकूल है।
49. **बीज में भ्रूण और कोषावरण के अलावा कौन-सी संरचना होती है?**
बीज में भ्रूण और कोषावरण के अलावा बीजकोष होता है। बीजकोष बीज को सूखने, चोट और कीट से बचाता है और अंकुरण तक संरचना मजबूत रखता है।
50. **बीजकला का मुख्य कार्य क्या है?**
बीजकला स्त्री अंग है जिसमें अंडाणु स्थित होता है। यह निषेचन के बाद बीज में बदल जाता है और नए पौधे के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाता है।
51. **परागकण का प्रसार कैसे होता है?**
परागकण का प्रसार हवा, पानी या कीट द्वारा होता है। यह अन्य फूलों तक पहुँचकर निषेचन करता है और नए बीजों का निर्माण सुनिश्चित करता है।
52. **आंतरिक निषेचन क्यों सुरक्षित है?**
आंतरिक निषेचन में युग्मक महिला प्रजनन अंग के भीतर अंडाणु से मिलता है। यह भ्रूण को बाहरी खतरे और शुष्क परिस्थितियों से बचाता है।
53. **बाह्य निषेचन के खतरे क्या हैं?**
बाह्य निषेचन में युग्मक शरीर के बाहर मिलते हैं। इसलिए अधिक संख्या में युग्मक और अंडे बनते हैं, क्योंकि कई अंडे और युग्मक नुकसान या शिकार हो सकते हैं।
54. **पौधों में बीज के विकास की प्रक्रिया बताइए।**
बीज का विकास अंडाणु और परागकण के मिलन से शुरू होता है। जाइगोट भ्रूण में बदलता है, कोषावरण पोषण देता है और बीजकोष संरचना सुरक्षित रखता है।
55. **बीज के अंकुरण में जड़ का महत्व क्या है?**
जड़ पहले विकसित होती है और बीज को जमीन से जोड़ती है। यह पानी और पोषक तत्वों को جذب कर नए पौधे के लिए आधार और पोषण प्रदान करती है।

56. **अलैंगिक प्रजनन में स्पोर का महत्व क्या है?**
स्पोर अलैंगिक प्रजनन में नई पीढ़ी का निर्माण करते हैं। यह कठिन परिस्थितियों में जीव को सुरक्षित रखते हैं और अनुकूल परिस्थितियों में नए जीव में विकसित होते हैं।
57. **कली बनना जीवों में क्यों महत्वपूर्ण है?**
कली बनना जीवों को तेज़ और सरल तरीके से पुनरुत्पादन की सुविधा देता है। हाइड्रा और यीस्ट जैसे जीव इसी तरीके से नए जीव उत्पन्न करते हैं।
58. **विखंडन के लाभ क्या हैं?**
विखंडन में शरीर के टुकड़े स्वतंत्र रूप से नए जीव बनाते हैं। यह अलैंगिक प्रजनन का सरल तरीका है, जो छोटे और कम ऊर्जा वाले जीवों में पाया जाता है।
59. **कायिक प्रजनन किस प्रकार के पौधों में पाया जाता है?**
कायिक प्रजनन पौधों में पाया जाता है जहाँ जड़, तना या पत्ती से नए पौधे बनते हैं। उदाहरण: आलू के कंद और गाजर की जड़।
60. **लैंगिक प्रजनन में निषेचन क्यों जरूरी है?**
लैंगिक प्रजनन में निषेचन जरूरी है क्योंकि यह पुरुष और स्त्री युग्मक को मिलाकर जाइगोट बनाता है। जाइगोट नए जीव की शुरुआत करता है और प्रजाति के अस्तित्व को सुनिश्चित करता है।
61. **बीजकला और परागकोष का मिलन किसे कहते हैं?**
बीजकला (स्त्री अंग) और परागकोष (पुरुष अंग) का मिलन निषेचन कहलाता है। इसमें परागकण अंडाणु तक पहुँचकर जाइगोट बनाता है, जो भविष्य में बीज और नए पौधे का निर्माण करता है।
62. **जाइगोट क्या है?**
जाइगोट पुरुष और स्त्री युग्मक के मिलन से बनने वाली कोशिका है। यह नए जीव की पहली कोशिका होती है और धीरे-धीरे भ्रूण में विकसित होकर बीज का निर्माण करती है।
63. **पौधों में बीज विकास के लिए कौन से अंग जिम्मेदार हैं?**
बीज विकास में बीजकला (अंडाणु), परागकोष (परागकण) और कोषावरण मुख्य भूमिका निभाते हैं। बीजकला निषेचन, कोषावरण पोषण और बीजकोष सुरक्षा प्रदान करता है।
64. **अंडाणु का महत्व क्या है?**
अंडाणु स्त्री युग्मक है जो पुरुष युग्मक से मिलकर जाइगोट बनाता है। यह भ्रूण के विकास और नए पौधे के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाता है।
65. **परागकण का महत्व बताइए।**
परागकण पुरुष युग्मक को अंडाणु तक पहुँचाते हैं। यह लैंगिक प्रजनन में आवश्यक है और बीज बनाकर नए पौधे के निर्माण में योगदान करता है।
66. **स्व-परागण और क्रॉस-परागण में मुख्य अंतर क्या है?**
स्व-परागण में परागकण उसी फूल के अंडाणु से मिलता है, जबकि क्रॉस-परागण में दूसरे फूल के अंडाणु से मिलता है। क्रॉस-परागण से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है।
67. **लैंगिक प्रजनन के मुख्य लाभ क्या हैं?**
लैंगिक प्रजनन से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है। नई परिस्थितियों में जीव अनुकूल बन सकते हैं और प्रजाति की लंबी उम्र और अस्तित्व सुनिश्चित होता है।
68. **अलैंगिक प्रजनन के लाभ क्या हैं?**
अलैंगिक प्रजनन सरल और तेज़ होता है। इसमें केवल एक माता जीव से नए जीव बनते हैं और ऊर्जा कम खर्च होती है। यह छोटे जीवों के लिए उपयुक्त तरीका है।
69. **पौधों में बीज के अंकुरण के लिए किन परिस्थितियों की आवश्यकता होती है?**
बीज के अंकुरण के लिए पर्याप्त जल, ऑक्सीजन और उपयुक्त तापमान आवश्यक हैं। ये स्थितियाँ भ्रूण को सक्रिय करती हैं और कोषावरण से पोषण ग्रहण कर विकास संभव बनाती हैं।

70. **बीज में कोषावरण और भ्रूण में क्या संबंध है?**
कोषावरण भ्रूण को पोषण देता है। इसमें भंडारित ऊर्जा और आवश्यक तत्व भ्रूण को सक्रिय रखते हैं और अंकुरण तथा नए पौधे के विकास में सहायता करते हैं।
71. **अलैंगिक प्रजनन में स्पोर का उदाहरण क्या है?**
कवक और शैवाल में स्पोर बनते हैं। ये स्पोर सूखे और कठिन परिस्थितियों में जीव को सुरक्षित रखते हैं और अनुकूल परिस्थितियों में नए जीव में विकसित होते हैं।
72. **कली बनने का उदाहरण क्या है?**
हाइड्रा और यीस्ट में कली बनती है। इसमें माता जीव की दीवार से निकलने वाला छोटा कली धीरे-धीरे विकसित होकर स्वतंत्र जीव बन जाता है।
73. **विखंडन के उदाहरण बताइए।**
शैवाल और कुछ प्रोटोजोआ में विखंडन पाया जाता है। इसमें शरीर के टुकड़े अलग होकर स्वतंत्र नए जीव में विकसित होते हैं।
74. **कायिक प्रजनन के उदाहरण बताइए।**
पौधों में आलू के कंद और गाजर की जड़ से नए पौधे बनना कायिक प्रजनन है। यह अलैंगिक प्रजनन का सरल और तेज़ तरीका है।
75. **बीजकोष का महत्व बताइए।**
बीजकोष बीज को बाहरी खतरे, कीट और सूखने से बचाता है। यह संरचना बीज को सुरक्षित रखती है और अंकुरण तक मजबूत बनाए रखती है।
76. **पौधों में निषेचन के बाद कौन-सी प्रक्रिया होती है?**
निषेचन के बाद जाइगोट भ्रूण में विकसित होता है, कोषावरण पोषण देता है और बीजकला बीज का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया से नया पौधा बनने के लिए बीज तैयार होता है।
77. **बीज अंकुरण में जड़ का महत्व क्या है?**
जड़ सबसे पहले विकसित होती है और जमीन में गहरी पकड़ बनाती है। यह पानी और पोषक तत्वों को अवशोषित कर पौधे के विकास के लिए आधार और ऊर्जा प्रदान करती है।
78. **पौधों में क्रॉस-परागण का लाभ क्यों होता है?**
क्रॉस-परागण से आनुवंशिक विविधता बढ़ती है। इससे पौधे नई परिस्थितियों में अनुकूल बन सकते हैं और प्रजातियों का दीर्घकालिक अस्तित्व सुनिश्चित होता है।
79. **अंडज और जरायुज प्राणी में मुख्य अंतर बताइए।**
अंडज प्राणी में भ्रूण अंडे में विकसित होता है और बाहर जन्म लेता है। जरायुज प्राणी में भ्रूण माँ के शरीर में विकसित होता है और जन्म वहीं होता है।
80. **लैंगिक प्रजनन का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
लैंगिक प्रजनन का मुख्य उद्देश्य नए जीव का निर्माण, आनुवंशिक विविधता बढ़ाना और प्रजाति के अस्तित्व को सुनिश्चित करना है। यह जीवन चक्र का मुख्य हिस्सा है।